༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲུན་དབེ་ཚོགས་ལྷེ་གནས།།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ74444	***ImageGroup:***	I4CZ74446
LCCN:	n/a	***ISBN:***	n/a

Title:	ཀུན་བཟང་ཨ་གལ་གྱི་སྒྲུབ་གཞུང་སོགས་བོན་ཆོས་ཕྱོགས་བསྒྲིགས། kun bzang a gal gyi sgrub gzhung sogs bon chos phyogs bsgrigs/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	1
Total Volumes:	4
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

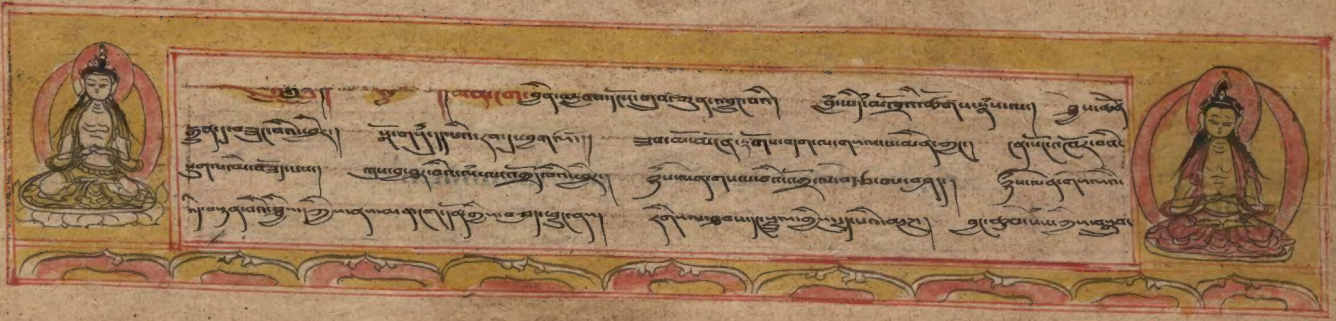

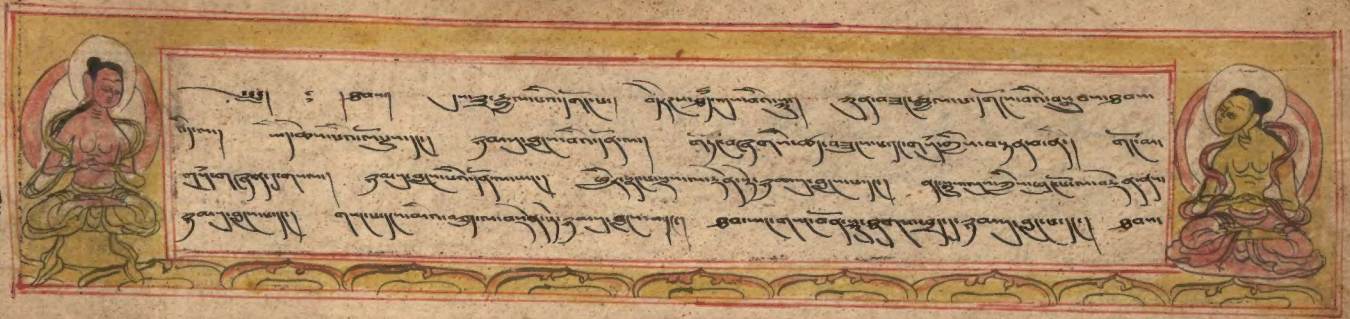

ततः प्रभातसमये मन्त्रिणो राजसंसदि ।
सुमन्त्रं प्रेषयामासुः सुमन्त्रो राजमन्दिरम् ॥
सुमन्त्रस्तु समागत्य राजानं प्रणिपत्य च ।
मन्त्रिणां वचनं सर्वं राज्ञे सर्वं न्यवेदयत् ॥
ततो राजा सुमन्त्रेण सहितो मन्त्रिभिः सह ।
मन्त्रयामास कार्यार्थं मन्त्रिणां मन्त्रकोविदः ॥
राजोवाच ।
मन्त्रिणः शृणुतास्माकं वचनं मम सांप्रतम् ।
मन्त्रयामि सहैतैर्वै मन्त्रिभिः कार्यसिद्धये ॥

ཨཱ ཀཱ ཁཱ གཱ ངཱ ཅཱ ཆཱ ཇཱ ཉཱ ཊཱ ཋཱ ཌཱ ཎཱ ཏཱ ཐཱ དཱ ནཱ པཱ ཕཱ བཱ མཱ ཡཱ རཱ ལཱ ཝཱ ཤཱ ཥཱ སཱ ཧཱ ཨཱ ཀཱ ཁཱ གཱ ངཱ ཅཱ ཆཱ ཇཱ ཉཱ ཊཱ ཋཱ ཌཱ ཎཱ ཏཱ ཐཱ དཱ ནཱ པཱ ཕཱ བཱ མཱ ཡཱ རཱ ལཱ ཝཱ ཤཱ ཥཱ སཱ ཧཱ ཨཱ ཀཱ ཁཱ གཱ ངཱ ཅཱ ཆཱ ཇཱ ཉཱ ཊཱ ཋཱ ཌཱ ཎཱ ཏཱ ཐཱ དཱ ནཱ པཱ ཕཱ བཱ མཱ ཡཱ རཱ ལཱ ཝཱ ཤཱ ཥཱ སཱ ཧཱ

ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ལས་ཀྱང་ཇི་སྐད་དུ་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་ཀུན་དགའ་བོ་ལ་བཀའ་སྩལ་པ་ཡང་ཀུན་དགའ་བོ་ཁྱོད་ཀྱིས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལ་སྤྱོད་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ།

ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ལས་ཀྱང་ཇི་སྐད་དུ་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་ཀུན་དགའ་བོ་ལ་བཀའ་སྩལ་པ་ཡང་ཀུན་དགའ་བོ་ཁྱོད་ཀྱིས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལ་སྤྱོད་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ།

ཀཱཡཱ་ཛཱི་ཝཱ་ཏུ། ཨཱ་ཡུ་ཏཱ་ཡཱ་ཡ

॥ ५ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीमद्भागवतमहापुराणम् ॥ तत्र प्रथमः स्कन्धः ॥ तत्रादौ मङ्गलाचरणं ॥ यं प्रव्रजन्तमनुपेतमपेतकृत्यं द्वैपायनो विरहकातर आजुहाव ॥ पुत्रेति तन्मयतया तरवोऽभिनेदुस्तं सर्वभूतहृदयं मुनिमानतोऽस्मि ॥ १ ॥ नारायणं नमस्कृत्य नरं चैव नरोत्तमं ॥ देवीं सरस्वतीं व्यासं ततो जयमुदीरयेत् ॥ २ ॥ मुनयः सत्रमासीना पप्रच्छुर्हरिमेधसं ॥ कुरुक्षेत्रे क्व धर्मज्ञाः सूत पौराणिकोऽसि ॥ ३ ॥ व्यास उवाच ॥ धर्म्मं प्रोज्झितकैतवोऽत्र परमो निर्मत्सराणां सतां वेद्यं वास्तवमत्र वस्तु शिवदं तापत्रयोन्मूलनं ॥ श्रीमद्भागवते महामुनिकृते किं वा परैरीश्वरः सद्यो हृद्यवरुध्यतेऽत्र कृतिभिः शुश्रूषुभिस्तत्क्षणात् ॥ ४ ॥

ཀུ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ

ཀཀ

ཀཀ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨཱཿཧཱུྃ་

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ།

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ།

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ།

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ།

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ།

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ།

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ།

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ།

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲི་ཡཱ་ཀལྤ།

ཨཱཏཱཀོཊིཔྲཏིཔཱཊཀཾ །

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
महाकालरूपिणे त्रिशिरसे त्रिलोचनाय त्रिशूलखट्वाङ्गपाशडमरुकहस्ताय
व्याघ्रचर्मनिवसनाय गजचर्मोत्तरासङ्गाय नागयज्ञोपवीताय नागकुण्डलाय
नागकेयूराय नागहारबाहुशीर्षाय सर्वाभरणभूषिताय ईशानमूर्धाधिपतये
ॐ अमुकं हन हन दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय
विद्रावय चूर्णय चूर्णय मम सर्वविघ्नान् छिन्धि छिन्धि भिन्धि भिन्धि
सर्वदुष्टान् ग्रस ग्रस सर्वदुष्टान् खाद खाद सर्वदुष्टान् हन हन सर्वदुष्टान्
मम सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वशत्रून् नाशय नाशय सर्वदुष्टान्
भक्षय भक्षय सर्वदुष्टान् मारय मारय सर्वदुष्टान् ॐ हुं फट् स्वाहा ॥

॥ श्रीभगवानुवाच ॥ शृणु देवि प्रवक्ष्यामि कवचं परमाद्भुतम् ।
यस्य श्रवणमात्रेण पाठात्सर्वार्थसाधकम् ॥ १ ॥
गोपनीयं प्रयत्नेन सर्वागमरहस्यकम् ।
न कस्यापि प्रकाश्यं हि पवित्रं पापनाशनम् ॥ २ ॥
अज्ञात्वा कवचं देवि मन्त्रान्सिद्धिं लभेन्नरः ।
कवचं त्रिषु लोकेषु दुर्लभं देवतैरपि ॥ ३ ॥
तव स्नेहात्प्रवक्ष्यामि लोकानां हितकाम्यया ।
कवचस्य ऋषिर्ब्रह्मा छन्दोऽनुष्टुबुदाहृतम् ॥ ४ ॥
देवता कालिका प्रोक्ता सर्वसिद्धिप्रदायिनी ।
धर्मार्थकाममोक्षेषु विनियोगः प्रकीर्तितः ॥ ५ ॥

ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

ཀཀ

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཝཱ་ཨཀུཤལཾ་ཀརྨ་ཀུརྦནྟི་ཏཏ་སརྦཏྲ་ཨཱཀཱཤསམཱ་ཨནནྟཱ་ཨཔྲམེཡཱ་ཨཙིནྟྱཱ་ཨཏུལྱཱ་ཨཔྲཱཔྱཱ་ཨཔྲཏིཧཏཱ་ཨཔྲཏིཥྛིཏཱ་ཨཔྲཏིཥྛིཏཱ་ཨཔྲཏིཥྛི

ॐ नमो भगवते वज्रधराय वज्रपाणये महायक्षसेनापतये तद्यथा ॐ वज्रे वज्रे महावज्रे वज्रधरे वज्रहस्ते वज्रपाणे
वज्रतुण्डे वज्रजिह्वे वज्रदंष्ट्रे वज्रभृकुटिमुखे वज्रज्वालामालिनि वज्रभैरवरूपधारिणि महाबलपराक्रमे महावज्रोदरे
महाकायप्रलम्बे विद्युत्कोटिभीषणे महाकालपाशे महादण्डकापालधारिणि महानागकुण्डलधारिणि महाविघ्नविनायकनर्तकि
महाबलवीरपुरुषसंघातनि महाबलचण्डे वज्रशृङ्खलबन्धने महाबलविदारणकरि वज्रसंकटे वज्रकुमारि वज्रहस्ते
वज्रपाशे वज्रसाधुपरिरक्षणे वज्रसंकटे वज्रमुद्गरे वज्रचक्रे वज्रदण्डे वज्रखड्गे वज्रशक्तिधारिणि वज्रांकुशे
वज्रसंदंशे वज्रसर्पपरिवेष्टितशरीरे वज्रमालाविभूषितशरीरे वज्रज्वालाकेशे वज्रज्वालाजटामुकुटधारिणि वज्रकङ्कणे
वज्रपाशे वज्रकवचे वज्रपरिघे वज्रसर्वाङ्गसंधिबन्धने वज्रविद्युज्जिह्वे वज्रसटाविटङ्किते वज्रोपवीतधारिणि
महावज्रभयानकरूपधारिणि महाबलपराक्रमे महावज्रोदरे महाकायप्रलम्बे विद्युत्कोटिभीषणे महाकालपाशे
महादण्डकापालधारिणि महानागकुण्डलधारिणि महाविघ्नविनायकनर्तकि महाबलवीरपुरुषसंघातनि महाबलचण्डे
वज्रशृङ्खलबन्धने महाबलविदारणकरि वज्रसंकटे वज्रकुमारि वज्रहस्ते वज्रपाशे वज्रसाधुपरिरक्षणे वज्रसंकटे
वज्रमुद्गरे वज्रचक्रे वज्रदण्डे वज्रखड्गे वज्रशक्तिधारिणि वज्रांकुशे वज्रसंदंशे वज्रसर्पपरिवेष्टितशरीरे
वज्रमालाविभूषितशरीरे वज्रज्वालाकेशे वज्रज्वालाजटामुकुटधारिणि वज्रकङ्कणे वज्रपाशे वज्रकवचे वज्रपरिघे
वज्रसर्वाङ्गसंधिबन्धने वज्रविद्युज्जिह्वे वज्रसटाविटङ्किते वज्रोपवीतधारिणि महावज्रभयानकरूपधारिणि

ཀཀཀ

॥ ४ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ४ ॥

ཐུགས་རྗེ་ཆེ་ཡི་ཕྱག་ཏུ་ཕུལ། །

ॐ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं नमो भगवति त्रैलोक्यविजये त्रैलोक्यमोहिनि त्रैलोक्यवशंकरि त्रैलोक्यक्षोभणि त्रैलोक्यसंजीवनि त्रैलोक्यसौभाग्यप्रदे त्रैलोक्यसारे त्रैलोक्यसंहारिणि त्रैलोक्यसंजीवनि

ཨོཾ་ ཤཱནྟི་ཀ་ཡ་ཤཱནྟི་ཀ་ཡ་ཨ་ཀཱ་ལ་མྲྀ་ཏྱུ་ཧ་ར་ཧ་ར་ཨ་ཀཱ་ལ་མྲྀ་ཏྱུ་ཧ་ར་ཧ་ར་ཨ་ཀཱ་ལ་མྲྀ་ཏྱུ་ཧ་ར་ཧ་ར་
ཨ་ཀཱ་ལ་མྲྀ་ཏྱུ་ཧ་ར་ཧ་ར

ब्रह्मणेऽक्षरं तदेवाहं ब्रह्मास्मीति ब्रह्मैव भवति ॥ ब्रह्मविदाप्नोति परं तदेषाभ्युक्ता ब्रह्मणा व्याख्यातं ब्रह्मविद्याम्नायप्रसिद्धयर्थं परंपरया ब्रह्मविद्यावतां गुरूणां ब्रह्मणे ब्रह्मविद्यां प्रोवाच ब्रह्मविद्यां प्रोवाच ब्रह्मविद्यां प्रोवाच

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
स्फुरत्स्फुरसि स्फुरय स्फुरय सरसर प्रसरप्रसर कम्पय कम्पय विकटय विकटय
मोटय मोटय बन्धय बन्धय हुं हुं फट् फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते
वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय

ॐ नमः शिवायै ॥ श्रीदेव्युवाच ॥ भगवन्सर्वधर्मज्ञ सर्वशास्त्रविशारद
सर्वदेवस्तुतं नाथ सर्वदेवनमस्कृतं ॥ सर्वदेवाधिदेवेश सर्वदेवमहेश्वर
सर्वदेवमयं देवं सर्वदेवैकपूजितं ॥ सर्वदेवैकसंसेव्यं सर्वदेवैकसंस्तुतं
सर्वदेवैकसंवेद्यं सर्वदेवैकसंस्थितं ॥ सर्वदेवैकसंसिद्धं सर्वदेवैकसंश्रितं
सर्वदेवैकसंसारं सर्वदेवैकसंस्मृतं ॥ सर्वदेवैकसंहारं सर्वदेवैकसंस्थितं
सर्वदेवैकसंसारं सर्वदेवैकसंस्मृतं ॥ सर्वदेवैकसंहारं सर्वदेवैकसंस्थितं

248

ཨཱཡུཥྨཱན་ཤཱརིཔུཏྲ། ཨིཧ་ཁལུ་ཀུལཔུཏྲ་ཨཱཙཱརྱ་ཨཱརྱ་ཤཱནྟིདེཝ

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये महाभैषज्ये समुद्गते स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते भ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबल
पराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महा
कायकायाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्र
धराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय उग्रविषविषम
विषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय
महाकायकायाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते
वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय उग्रविष
विषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबल
पराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय
हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरव
भीषणाय महाकायकायाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो
भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय

ཐོབ་ཀྱང་ཐོབ་པ་ཉིད་ཀྱང་ཡོད་ཅེས་ཟེར་ན་ཡ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय
उग्रविषमविषसंघातनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते
अमोघाय तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ अमोघे
अमोघदर्शिनि अमोघवचने अमोघतेजसे अमोघवीर्ये अमोघ
अमोघे अमोघे महामोघे महाविद्यराज्ञि महामन्त्रपदे हुलु हुलु
मातङ्गिनि स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते अमोघाय तथागताय
अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ अमोघे अमोघदर्शिनि
अमोघवचने अमोघतेजसे अमोघवीर्ये अमोघ अमोघे अमोघे
महामोघे महाविद्यराज्ञि महामन्त्रपदे हुलु हुलु मातङ्गिनि
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते अमोघाय तथागताय अर्हते सम्यक्

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
मोक्षसंन्यासयोगो नाम अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥ १८ ॥ ॥ ॥

ཐུགས་རྗེ་ཆེ་ཡི་ཕྱག་ཏུ་ཕུལ་ཏེ་ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་བཞིན་དུ་བྱས་ཤིག་ཅེས་ཞལ་ཆེ་ཞིང་ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་བཞིན་དུ་བྱས་ཤིག་ཅེས་ཞལ་ཆེ་ཞིང་
ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་བཞིན་དུ་བྱས་ཤིག་ཅེས་ཞལ་ཆེ་ཞིང་ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་བཞིན་དུ་བྱས་ཤིག་ཅེས་ཞལ་ཆེ་ཞིང་
ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་བཞིན་དུ་བྱས་ཤིག་ཅེས་ཞལ་ཆེ་ཞིང་ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་བཞིན་དུ་བྱས་ཤིག་ཅེས་ཞལ་ཆེ་ཞིང་
ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་བཞིན་དུ་བྱས་ཤིག་ཅེས་ཞལ་ཆེ་ཞིང་ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་བཞིན་དུ་བྱས་ཤིག་ཅེས་ཞལ་ཆེ་ཞིང་

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པའི་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་ཡོངས་སུ་དག་པ་ཡང་ཡོད་དེ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཞིང་ཡོངས་སུ་དག་པ་ཡང་ཡོད་ལ། ཞིང་ཡོངས་སུ་མ་དག་པ་ཡང་ཡོད་དོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཞིང་ཡོངས་སུ་དག་པ་ཡང་ཡོད་ལ། ཞིང་ཡོངས་སུ་མ

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲྀ་ཏ་ཡ་ཛུ་ཪྀ་ཀ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमः परमऋषये नारायणाय नरोत्तमाय सरस्वत्यै व्यासाय ततो जयमुदीरयेत् ॥ पुष्करमुवाच ॥ भगवन्सर्वधर्मज्ञ सर्वशास्त्रविशारद ॥ कथं जयमवाप्नोति नरो नित्यं वदस्व मे ॥ १ ॥ भगवानुवाच ॥ शृणु पुष्कर वक्ष्यामि जयं सर्वत्र सर्वदा ॥ यं ज्ञात्वा नरमात्रोऽपि जयमाप्नोति सर्वदा ॥ २ ॥ यो नित्यं पठते भक्त्या जयं नारायणात्मकम् ॥ स जयं लभते सर्वत्र सर्वदा नात्र संशयः ॥ ३ ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमः परमऋषये नारायणाय नरोत्तमाय सरस्वत्यै व्यासाय

ཀཀཱ་ནཱི། ཐུ་ཀཱ་ཀཱི་པཱ་ཏུ་ཝཱ་ནཱི་ཏུ་ཀཱ་ནཱི་ཏུ་ཀཱ་ཏཱ་ཡཱ། ཏྲཱི་ཡཱ་ཡཱ་ཏུ་ཝཱ་ཡཱ་ཀཱ་ཡཱ་ཏཱ། ཏུ་ཀཱ་
ཏཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏུ་ཝཱ་ནཱ་ཡཱ་ཏཱ། ཡཱ་ཝཱ་ལྷཱ་ཀྱི། ལྷཱ་ཡཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཡཱ་ཝཱ་ལྷཱ་ཀྱི། ཏཱ་ཡཱ་ཡཱ་
ཏུ་ཀྱི། ཡཱ་ཡཱ་ཝཱ་ལྷཱ་ཀྱི། ཏུ་ཀཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏུ་ཀཱ་ཏཱ་ཡཱ། ཏཱ་ཏྲཱི་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏུ་ཀཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ།
ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏུ་ཀཱ་ཏཱ་ཡཱ། ཏྲཱི་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ། ཏཱ་ཏུ་ཀཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་
ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ། ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏུ་ཀཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡ

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरवे तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ शोधय शोधय सर्वपापानि मे सर्वतथागतसत्यवाक्यानुभावेन स्वाहा ॥ ॐ वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव सुपोषो मे भव अनुरक्तो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मे मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व अः ॥ ॐ सर्वतथागतवज्रसमाज वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव सुपोषो मे भव अनुरक्तो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मे मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व अः ॥ ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते
वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते
वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो
नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

॥ नमोऽस्तु ते व्रजस्थानपवित्रपाणये ॥ तेऽक्षुण्णपुण्यनिचयैकफलोपलब्धये ॥
॥ नमोऽस्तु ते व्रजस्थानपवित्रपाणये ॥ तेऽक्षुण्णपुण्यनिचयैकफलोपलब्धये ॥
॥ नमोऽस्तु ते व्रजस्थानपवित्रपाणये ॥ तेऽक्षुण्णपुण्यनिचयैकफलोपलब्धये ॥

ཀཀཀ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणकराय उग्रभीमभयानकाय
महाभयविदारणकराय सर्वभूतविनायकविद्याराजाय त्रैलोक्यविजयाय हुं फट् स्वाहा ॥
ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणकराय उग्रभीमभयानकाय
महाभयविदारणकराय सर्वभूतविनायकविद्याराजाय त्रैलोक्यविजयाय हुं फट् स्वाहा ॥

॥ ६ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ६ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

।।।

ཀཱ ཀཱ

ཐ་ཤལ་ཀྱི་ཚིག་ཀྱང་ཡིན་ཏེ། ཐ་ཤལ་ཞེས་པ་ནི་ཐ་ཤལ་ཀྱི་ཚིག་ཡིན་ཏེ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठितशरीराय
तद्यथा ॐ वज्रसत्त्व वज्रसत्त्व महावज्रसत्त्व महासमयसत्त्व वज्रधर्मसत्त्व वज्रकायसत्त्व
वज्रवाक्सत्त्व वज्रचित्तसत्त्व वज्रकर्मसत्त्व वज्रसमयसत्त्व वज्रतीक्ष्णसत्त्व वज्रराजसत्त्व
वज्रपाशसत्त्व वज्रसाधुसत्त्व वज्रसंस्पर्शसत्त्व वज्रसाधुसत्त्व वज्रसंस्पर्शसत्त्व

॥ ॥ ॥

ཀཱ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ

॥ ॐ नमो भगवत्यै आर्यतारायै ॥ ॐ नमः सर्वबुद्धबोधिसत्त्वेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतासुतेभ्यः ॥ नमः सर्वतथागतसुतास

ཀཱཡ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཀརྨ་ཀཱ་ཡཱ

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ཨཱཙཱརྱཱཡ ཨཱཏྲེཡཱཡ ཨཱཏྲེཡཱཡ ཨཱཏྲེཡ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཐཱཾ་ཐཱིཾ་ཐཱུྃ་ཐཻཾ་ཐཽཾ་ཐཱཿ་ཐཾ་ཐཿ་

ण्यायाणाद्यायाण्यायाण्यायाण

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨ་ཏི་ཀྲ་མ་ཀ་ཡོ་ག་ཏ་ཏྭ

ईशानविष्णुब्रह्मेन्द्रयमनैर्ऋतवरुणवायुकुबेरेशानाधिपतयः ॥ ब्रह्मणे नमः ॥ ब्रह्मणे नमः ॥ ब्रह्मणे नम

ॐ नमो भगवत्यै आर्यतारायै ॥ नमस्तारायै जगन्मात्रे नमस्ते कमलेक्षणे ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वदुःखविनाशिनि ॥ नमस्ते सर्वभूतानां सर्वकार्यविधायिनि ।
नमस्ते सर्वदेवानां सर्वसिद्धिप्रदायिनि ॥ नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वकामप्रपूरिणि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वभयविनाशिनि ॥ नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वरोगविनाशिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वकर्मक्षयंकरि ॥ नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वपापविशोधनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वदुःखविमोचनि ॥ नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वसंपत्प्रदायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वसौभाग्यदायिनि ॥ नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वज्ञानप्रदायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वपुण्यप्रपूरिणि ॥ नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वबुद्धप्रसूतिके ।

ཏེ། ཁགས་ཤིང་ཁ་ཐུར་ཁ་ཐུར་ཁ་ཐུར

ཀཱཡཱཔཱཏཱ ཨཱཀཱཤཱཔཱཏཱ ཨཱཀཱཤཱཔཱཏཱ ཨཱཀཱཤ

पुत्रैश्चतुर्भिरगमत्सहितः पुरारिं ॥ ५ ॥ तत्रोग्रतापसतपोबलदग्धकामं
प्रणम्य शिरसा धृतपाशुपतास्त्रमीशं ॥ तत्प्रेरणात्तमभिगम्य पुनः प्रणम्य
तत्पादपद्मयुगलं हृदि संनिधाय ॥ तत्प्रीतये तदनुशासनतो विधाय
तत्पूजनं विधिवदर्चनमस्य नित्यं ॥ तत्प्रीतिमाप्य तदनुग्रहलब्धकामः
तत्प्रीतिदत्तवरदानविशेषभोगैः ॥ तत्प्रीतिमाप्य तदनुग्रहलब्धकामः
तत्प्रीतिदत्तवरदानविशेषभोगैः ॥ तत्प्रीतिमाप्य तदनुग्रहलब्धकामः

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायविदारणाय
अजितरूपाय परविद्याप्रमथनाय परविद्यानिवारणाय परविद्यास्तम्भनाय परविद्याप्रलयंकराय
सहस्रभुजसहस्रशीर्षाय सहस्रनेत्रसहस्रपादाय सहस्रास्त्रप्रहरणोद्यतहस्ताय
सहस्रविद्याधरपरिवृताय सहस्रविद्याच्छेदनकराय सहस्रविद्याविनाशकराय
सहस्रविद्याप्रमथनाय सहस्रविद्याप्रलयंकराय सहस्रविद्याविद्रावणकराय
सहस्रविद्याविध्वंसनकराय सहस्रविद्याविमर्दनकराय सहस्रविद्याविनाशनकराय
सहस्रविद्याविनाशनकराय सहस्रविद्याविनाशनकराय सहस्रविद्याविनाशनकराय

ཨཱཿ ཤྲཱིཧེ་རུ་ཀ་ཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཛྲ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟ་ཛྲ་གུ་ཎ་ཛྲ་ཨཿ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཕཊ་ ཕཊ་ ཕཊ་ སྭཱཧཱ ཨོཾ་ཨཱཿ

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཏུལྱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་ཚད་ཙམ་ན་ཡང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི

ཀཱཡ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཀརྨ་ཀཱ་ཡཱ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमद्भागवतं नाम पुराणं ब्रह्मसम्मितं ।
उत्तमश्लोकचरितं चकार भगवानृषिः ॥ कृष्णद्वैपायनो व्यासो सर्वज्ञः
शान्तनवः शुचिः । पराशरात्सत्यवत्यां जातः कलिमलापहः ॥ तीर्थे
प्रयागे मुनिभिर्जिज्ञासाभिः समागतैः । सत्रे च सत्रयागस्य सोमस्येव
सुरैरपि ॥ तत्र होचुर्मुनिगणाः सूतं पौराणिकोत्तमं । त्वया खलु
पुराणानि सेतिहासानि कोविदः ॥ अधीतानि यथान्यायं प्रायः
धर्मविनिर्णयः । यानि वेदविदां श्रेष्ठो भगवान्बादरायणः ॥ अन्ये च
मुनयः सूत परोक्षविषयाण्युत । आख्यानानि कल्पशुद्धानि
प्रायः प्राधान्यतो विभो ॥ तत्तेऽनामयं मनसः सम्प्रसादमभीप्महे ।
तपसा विद्यया त्वस्य वृहणेन च पूरय ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते श्रीमते वीरवीरभद्राय महाबलपराक्रमाय महाभैरवशरीराय महाविषमनिर्दहनाय
महाविषभयविनाशनाय महाविषसंहारकाय महाविषविनाशनाय महाविषभूतविनाशनाय
महाविषभूतसंहारकाय महाविषभूतनिर्दहनाय महाविषभूतभयविनाशनाय महाविषभूतविषविनाशनाय
महाविषभूतविषसंहारकाय महाविषभूतविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषभयविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषनिर्दहनाय
महाविषभूतविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषसंहारकाय
महाविषभूतविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषविषविषविषभयविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषविषविषविषनिर्दहनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषसंहारकाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषभयविनाशनाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविनाशनाय
महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषसंहारकाय महाविषभूतविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषविषनिर्दहनाय महाविषभूतविष

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो नमस्ते ऽस्तु विभो ऽखिलात्मन् ।
नमो नमस्ते ऽखिलसत्त्वधाम्ने ॥ नमो नमस्ते ऽखिलकारणाय
नमो नमस्ते ऽखिलकारणाय ॥ नमो नमस्ते ऽखिलदेवतात्मन्
नमो नमस्ते ऽखिलयज्ञतन्तो ॥ नमो नमस्ते ऽखिलधर्मसेतो
नमो नमस्ते ऽखिलसूकराय ॥ नमो नमस्ते ऽखिलयोगशाखिन्
नमो नमस्ते ऽखिलकर्मतत्त्व ॥ विवर्जितानात्मसुलक्षणाय
नमो नमस्ते ऽव्यवधानदृष्टये ॥ सर्वात्मकात्मन्नविषक्तदृष्टये
नमो नमस्ते ऽखिलकारकाय ॥ सर्वात्मशक्तीश्वरनिर्वृतात्मने
नमो नमस्ते ऽखिलकारकाय ॥ नमो नमस्ते ऽखिलकारकाय

ཨཱཿ ཨཱཿཨཱཿཨཱཿཨཱཿ

ॐ नमो भगवत्यै श्रीमहाविद्यायै ॥ श्रीमद्भगवतीमहाविद्याकल्पप्रारम्भ
श्रीमत्कैलासशिखरे देवदेवं महेश्वरम् ॥ देवदेवेशमीशानं
गणकोटिसमावृतम् ॥ देवदेवप्रियाप्रेम्णा मन्दहासेन शोभितम्
॥ पप्रच्छ श्रीमहादेवं भक्तिनम्रात्मकन्धरा ॥ देव्युवाच ॥
श्रीमन्महादेव महाभैरवेश ॥ भक्तप्रियाणां भवतां
प्रियाहम् ॥ ज्ञातुं समिच्छामि तवैव भक्त्या ॥ ब्रह्मादिभिर्यत्
परिपूजितं च ॥ श्रीमन्महाकालमहाकपाल ॥ महाप्रभावप्रतिभाभिराम
॥ त्वत्तोऽधिकं नास्ति जगत्त्रयेऽपि ॥ तस्मात्त्वमेवाद्भुतमूर्तिरीश ॥ ॥

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཀ་ཡཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཀ་ཡཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཀ་ཡ

ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཡིན་ཏོ། །དེ་ཡང་ཇི་ལྟར་ཞེ་ན། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཡིན་ཏོ། །

ह्रीं नमः ॥ ॐ नमो भगवते अमृतकुण्डलिने मम सर्वविषं हर हर ह्रीं फट् स्वाहा

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीमभयानकाय महाकायकाय
महाकालरूपिणे त्रिशिरसे त्रिनेत्राय त्रिशिखिने त्रिशिखिजटामुकुटधारिणे नागयज्ञोपवीतिने
नागकुण्डलधारिणे नागहारनागकेयूरधारिणे नागकङ्कणधारिणे नागपादुकाधारिणे
सर्वाङ्गभूषणभूषिताय ॐ हुं हुं हुं फट् फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय
महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीमभयानकाय महाकायकाय महाकालरूपिणे
त्रिशिरसे त्रिनेत्राय त्रिशिखिने त्रिशिखिजटामुकुटधारिणे नागयज्ञोपवीतिने नागकुण्डलधारिणे
नागहारनागकेयूरधारिणे नागकङ्कणधारिणे नागपादुकाधारिणे सर्वाङ्गभूषणभूषिताय

ཀཀ

ཀཱ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ

ཀ། ཐོག་མེད་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ངང་ལས་ཤིན་ཏུ་རྣམ་པར་དག་པའི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡི་ཞེས་བྱ་བ་ནས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞེས་བྱ་བ་བར་དུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། ། ཡང་

ཀཱ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཐ་དམར་ཕྱོགས་ཀྱ

ཐོག་ཏུ་ཡང་ཡང་བསྐྱེད་ཅིང་ཡང་ཡང་བསྡུ་བ་ལ་ཐུག་ཏུ་ཐུག་ཏུ་ཐུག་ཏུ

ཀུ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ

ཀཀ

ॐ नमो भगवत्यै आर्यतारायै ॥ नमस्तारायै जगन्मात्रे नमस्ते भक्तवत्सले ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वदुःखविनाशिनि ॥ १ ॥
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वसौख्यविधायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभीष्टप्रदायिनि ॥ २ ॥
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभयविधायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभीष्टप्रदायिनि ॥ ३ ॥
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभयविधायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभीष्टप्रदायिनि ॥ ४ ॥
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभयविधायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभीष्टप्रदायिनि ॥ ५ ॥
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभयविधायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभीष्टप्रदायिनि ॥ ६ ॥
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभयविधायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभीष्टप्रदायिनि ॥ ७ ॥
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभयविधायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभीष्टप्रदायिनि ॥ ८ ॥
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभयविधायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभीष्टप्रदायिनि ॥ ९ ॥
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभयविधायिनि ।
नमस्ते सर्वसत्त्वानां सर्वाभीष्टप्रदायिनि ॥ १० ॥

ब्रह्मणो ब्रह्मरूपेण ब्रह्मणा ब्रह्मणि ब्रह्मणे ब्रह्मणा ब्रह्मणि ब्रह्मणो ब्रह्मणि

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཀརྨ་ཀུརྭནྟི། ཏཏ་

ཀཱ་ཡ་ཛཱ་ཏ་ཀ་ཡ་ཛཱ་ཏ་ཀ་ཡ་ཛཱ་ཏ་ཀ

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟེ་ཧི་ཡཾ་ཏེ་ཛོ་ཏྲི་ཡཾ་ཏེ་ཛོ་ཏྲི་ཡཾ་ཏེ་ཛོ་ཏྲ

ཏེ་ཧོ། ཤཱཀྱ་ཡི་ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀུན་ཏུ་ཡོངས་སུ་ཁྱབ་པ་ཡི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ན་ཡོད་པ་ཡི་ཆོས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང

ཀཱ་ཏན་ཏྲ་ཀ་ཡ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ལ་ཡ་ཝི་ཛྙཱ་ན་ཨཱ་ནཱ་ནྟ་ཡ་ཀ་ལ་ཨཱ་ཏྨ་ཀ་ཨཱ་ཏྨ་ཀ་ཨཱ་ཏྨ་ཀ

ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་སྡེ་ཀུན་ལས་བཏུས་པ

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཝཾ ཧོཿ

ॐ नमो भगवत्यै आर्यतारायै ॥ नमस्कृत्वा जगन्नाथं लोकत्रयविभूषणं ।
तारायाः साधनं वक्ष्ये सर्वसिद्धिकरं परं ॥ तारा तारयते नित्यं संसारार्णवतारिणी ।
तस्मात्तारेति सा प्रोक्ता सर्वतन्त्रेषु गोपिता ॥ तारा तारयते सत्त्वान्
सर्वदुःखभयार्णवात् । तस्मात्तारेति सा प्रोक्ता सर्वतन्त्रेषु गोपिता ॥ ३ ॥

ཀཱཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

ཀུན་རིག་རྣམ་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཀུན་རིག

P1A

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཚོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཚོའ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཆ་ཤས་ཀྱང་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ཀྱང་

ཀྱི་ཚིག་ལེའུར་བྱས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཀུན་ལས་བཏུ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མད

ཀཀ་ཀ་ཀ་

ཀཀ་ཀཀ་ཀཀ་

0870121

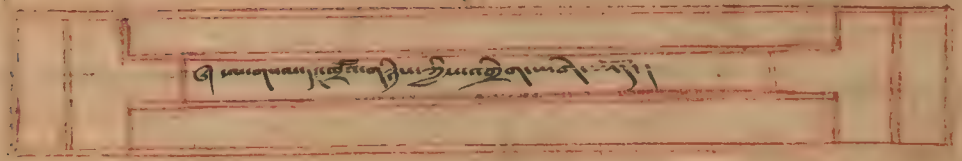

1:5A-

ཀ་ཀ་ཀ

1088

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमस्तस्मै भगवते वासुदेवाय यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण
सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥
यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे
दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य
प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥ यस्य स्मरणमात्रेण सर्वे दुःखक्षयं गताः ॥ यस्य प्रसादात्सुखमाप्नुवन्ति ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय नमः प्रद्युम्नाय नमो अनिरुद्धाय नमः ॥

ཐུབ་པ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀུན་ཏུ་ཡང་ཞིང་།

112A

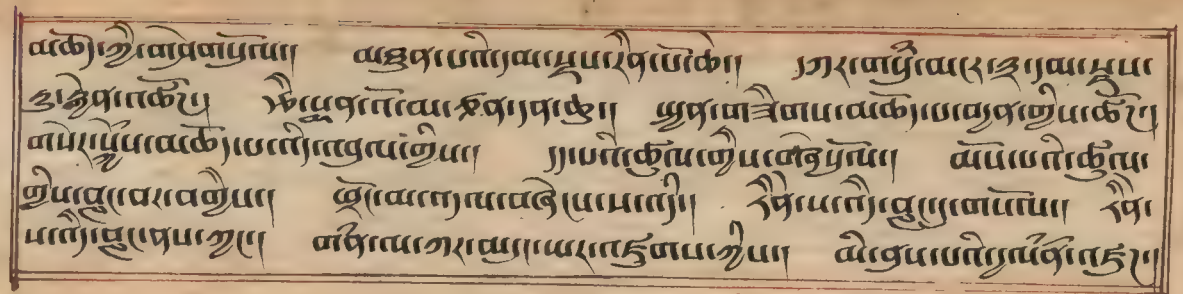

॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་སྨོན་ལམ་ལས། །ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོས་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཡི། །སྤྱོད་པ་ཐམས་ཅད་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པར་བྱ། །
ཞེས་གསུངས་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོས་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཡི་སྤྱོད་པ་ཐམས་ཅད་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པར་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་སྨོན་ལམ་ལས་ཏེ། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་སྨོན་ལམ་ལས་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོས་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཡི་སྤྱོད་པ་ཐམས་ཅད་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པར་བྱའོ། །
ཞེས་གསུངས་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོས་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཡི་སྤྱོད་པ་ཐམས་ཅད་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པར་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་སྨོན་ལམ་ལས་ཏེ། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་སྨོན་ལམ་ལས་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོས་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཡི་སྤྱོད་པ་ཐམས་ཅད་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པར་བྱའོ། །

ཀཱ་ཏན་ཏྲ་ཀ་ཡ་ཀ་ཏན་ཏྲ་ཀ་ཡ་ཀ་ཏན་ཏྲ་ཀ་ཡ་ཀ

ॐ नमो भगवत्यै महाप्रतिसरायै महाविद्याराज्ञ्यै महाबलायै महावीरायै महाशोकायै महाप्रतिहारायै महाक्रान्तायै महामानसायै महाशुक्लायै महाप्रज्ञप्तायै महावज्रशृङ्खलायै महावज्रधरायै महाचक्रायै महादण्डायै महाकालायै महामायूर्यै महामन्त्रानुसारिण्यै महासहस्रभुजायै महासहस्रशीर्षायै महासहस्राक्षायै महासहस्रप्रमर्दिन्यै महाविक्रान्तायै महाजालायै महामालायै महाकनकप्रभायै महाकनकवत्यै महाकनकविचित्रायै महाकनकविचित्रमालाधारिण्यै महाकनकविचित्रमालाधारिण्यै महाकनकविचित्रमालाधारिण्य

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡང་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པ་ཡི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དགྲ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་དུ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमः ॥

ཡིན་ཏེ། ཡིན་ཏེ། ཡིན་ཏེ།

ཡིན་ནམ་ཡང་ཡིན་ཏེ་ཡིན་ཡང་ཡིན་ཏེ་ཡིན་ཡང་ཡིན་ཏེ་ཡིན

१ ॥ ॥ ॥

ཐུགས་རྗེ་བསྟན་པའི་ཉི་མ་ཤར་བ་ཡིས། །ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་ཆོས་ཀྱི་ཆུ་ཀླུང་ཆེན་པོ་ཡི།
ཁྱད་པར་ཅན་གྱི་ཆུ་ཡིས་ཁྱབ་བྱེད་ཅིང་། །ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཡུན་རིང་གནས་པ་ཡི།
ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་བསྐྱངས་ཤིང་། །ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཡུན་རིང་གནས་པ་ཡི།
ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་བསྐྱངས་ཤིང་། །ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཡུན་རིང་གནས་པ་ཡི།

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये महाभैषज्ये समुद्गते स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते भ

।।ग्रन्थाग्रं ३८६।। ।।ग्रन्थाग्रं ३८६।। ।।ग्रन्थाग्रं ३८६।। ।।ग्रन्थाग्रं ३८६।। ।।ग्रन्थाग्रं ३८६।।

ཀྱི་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་ཐམས་ཅད་

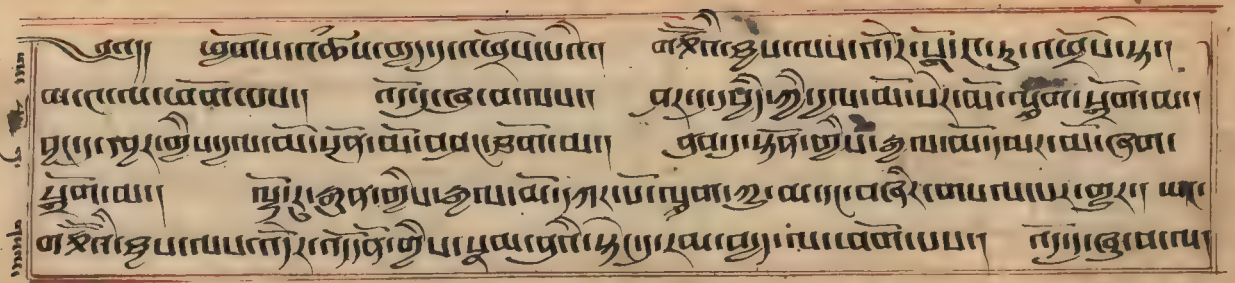

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཙཱ་ཧཱ་

ཀཀ་ཀ་ཀ་

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་གེ་བརྒྱ་པ།

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡང་ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ཡིན་ཏེ

ཀཀ

[illegible]

ॐ ॥ अथ प्रेतपात्रोद्धारतर्पणं ॥ ततस्तत्पात्रमादाय दक्षिणाभिमुखो भूत्वा

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་

148

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय
महाभीमभयानकदंष्ट्राकरालवदनाय नागकुलविषविनाशकराय
स्फोटयस्फोटय विदारयविदारय चूर्णयचूर्णय हुं हुं फट् फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
महाभयविदारणकराय महाभीमभयानकदंष्ट्राकरालवदनाय
नागकुलविषविनाशकराय स्फोटयस्फोटय विदारयविदारय
चूर्णयचूर्णय हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཏུ་ལྱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ

ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

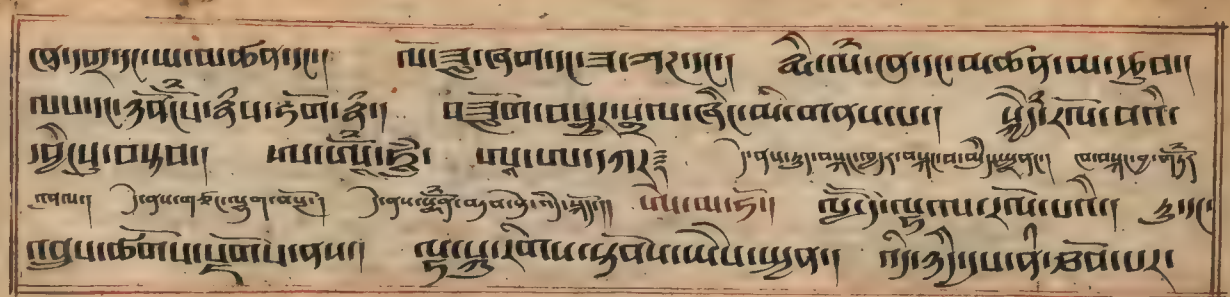

ग्रन्थाङ्क १६७ पत्राङ्क ४

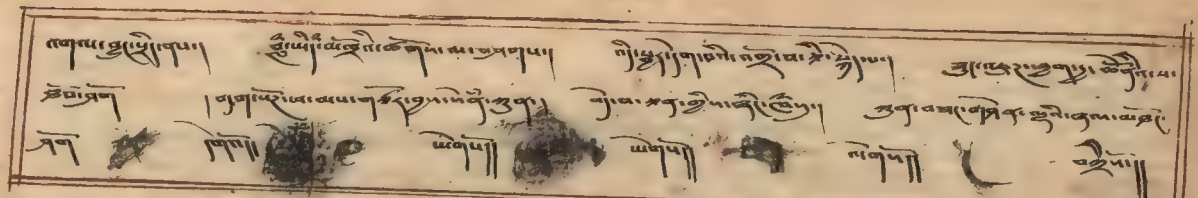

ཤེས་ ། ཤེས་ ། ཤེས་ །

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་པ་ནི་ཐེངས་ཐེངས་ཞེས་པའ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར་

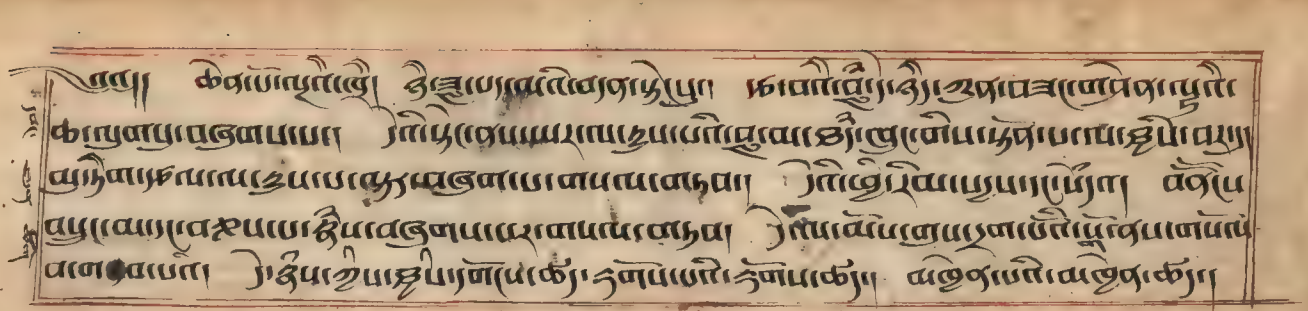

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཧཱུྃ

ཀཱཡཱནུཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ཨཱཀཱཤཱནཱནཱཏྱཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ཨཱཀིཉྩནྱཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ནཻཝསཾཛྙཱནཱསཾཛྙཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ཨཱཀཱཤཱནཱནཱཏྱཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ཨཱཀིཉྩནྱཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ནཻཝསཾཛྙཱནཱསཾཛྙཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ཨཱཀཱཤཱནཱནཱཏྱཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ཨཱཀིཉྩནྱཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ནཻཝསཾཛྙཱནཱསཾཛྙཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ཨཱཀཱཤཱནཱནཱཏྱཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ཨཱཀིཉྩནྱཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ ནཻཝསཾཛྙཱནཱསཾཛྙཱཡཏནཱཔཱཤཱརཻཿ ཡུཀྟཿ ཝཽལེཿ ཝཱུཔུཿ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ

ཡུགཿ བཱཡོཿ བཡུཿ ཡུཥྨཱཀཾ ཡུཥྨཱསུ ཡུཥྨཱབྷིཿ ཡུཥྨདཪྠཾ ཡུཥྨཱཀཾ ཡུཥྨཱསུ ཡུཥྨཱབྷིཿ ཡུཥྨཏྟཿ ཡུཥྨཱཀཾ ཡུཥྨཱསུ ཡུཥྨཱབྷིཿ ཡུཥྨཱསུ ཡུཥྨཱཀཾ ཡུཥྨཱསུ ཡུཥྨཱསྭ ཡུཥྨཱབྷིཿ ཡུཥྨཱཀཾ ཡུཥྨཱསུ ཡུཥྨཱབྷིཿ

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཀ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པ་ཡི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དགྲ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པའི་ངོ་བོ་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ལ་ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །དགེ་འདུན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པའི་ཚོགས་ལ་ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཕྱག་འཚལ་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པའི་ཕྱག་འཚལ་བ

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་པ་ནི་ཐེངས་ཐེངས་ཞེས་པའ

ཐེག་ཆེན་ཀུན་ལས་བཏུས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ

174B

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ། ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ། ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ། ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་

(ग)

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभूततेजोपशमनकराय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

[illegible]
[illegible]
[illegible]

॥ ७ ॥

185B

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमः सङ्कर्षणाय ॥ प्रद्युम्नायानिरुद्धाय ॥ नमो
भगवते पुरुषोत्तमाय ॥ नमो भूतादिपतये ॥ पृथिव्यादिलोकपालाय ॥ नमो
ऽनन्तायाधारशक्तिकूटाय ॥ कालाग्निरुद्राय ॥ नीलकण्ठाय ॥ मृत्युञ्जयाय ॥
सर्वेश्वराय सदाशिवाय ॥ श्रीमन्महादेवभैरवाय ॥ नमो नमः ॥ ॐ विश्वरूपाय
विद्महे ॥ सुवर्णपुरुषाय धीमहि ॥ तन्नो हिरण्यगर्भः प्रचोदयात् ॥ ॐ नमो
नारायणाय ॥ पुरुषाय महते सात्त्वतां पतये ॥ हरये ॥ कृष्णाय ॥ परायणाय
त्रिपुरुषाय ॥ त्रिधामने ॥ त्रिभक्तये ॥ शाश्वताय ॥ भवोद्भवाय ॥ नमो
वेदनिधये ॥ नमो ऽर्थवाचे ॥ नमः परमयोगिने ॥ नमस्तेजसे ॥ नमो
जनयित्रे ॥ नमः सत्यायर्तधाम्ने ॥ नमो मधुजिते ॥ नमः सुकृतये ॥
नमः पुण्यायसाक्षिणे ॥ नमः कृष्णाय ॥ नमः शान्तायाकूपाराय ॥
नमः परायणाय ॥ नमः परमहंसाय ॥ नमो निष्कल्मषाय ॥ नमो
निष्कलायनिष्कृतये ॥ नमः शान्तिपरायणाय ॥ नमः परमयोगिने ॥
नमो विश्वरूपाय ॥ नमो विश्वसृजे ॥ नमो विश्वाय विश्वभुजे ॥
नमो विश्वपतये ॥ नमो विश्वाय विश्वपालकाय ॥ नमो विश्वाय
विश्वसंहारकाय ॥ नमो विश्वाय विश्वमयाय ॥ नमो विश्वाय
विश्वभयविनाशन

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ཀཱཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

।।ॐ ।।ॐ ।।ॐ

ॐ ह्रीं नमो भगवते श्रीमते पार्श्वनाथाय त्रैलोक्यनाथाय त्रैलोक्यपूजिताय त्रैलोक्यसारधराय त्रैलोक्यसारधराय त्रैलोक्यसारधरा

ཀ་ཀཱ་ཀི་ཀཱི་ཀུ་ཀཱུ་ཀྲུ་ཀཱྲུ་ཀླུ་ཀཱླུ་ཀེ་ཀཻ་ཀོ་ཀཽ་ཀཾ་ཀཿ
ཁ་ཁཱ་ཁི་ཁཱི་ཁུ་ཁཱུ་ཁྲུ་ཁཱྲུ་ཁླུ་ཁཱླུ་ཁེ་ཁཻ་ཁོ་ཁཽ་ཁཾ་ཁཿ
ག་གཱ་གི་གཱི་གུ་གཱུ་གྲུ་གཱྲུ་གླུ་གཱླུ་གེ་གཻ་གོ་གཽ་གཾ་གཿ
ང་ངཱ་ངི་ངཱི་ངུ་ངཱུ་ངྲུ་ངཱྲུ་ངླུ་ངཱླུ་ངེ་ངཻ་ངོ་ངཽ་ངཾ་ངཿ
ཅ་ཅཱ་ཅི་ཅཱི་ཅུ་ཅཱུ་ཅྲུ་ཅཱྲུ་ཅླུ་ཅཱླུ་ཅེ་ཅཻ་ཅོ་ཅཽ་ཅཾ་ཅཿ
ཆ་ཆཱ་ཆི་ཆཱི་ཆུ་ཆཱུ་ཆྲུ་ཆཱྲུ་ཆླུ་ཆཱླུ་ཆེ་ཆཻ་ཆོ་ཆཽ་ཆཾ་ཆཿ
ཇ་ཇཱ་ཇི་ཇཱི་ཇུ་ཇཱུ་ཇྲུ་ཇཱྲུ་ཇླུ་ཇཱླུ་ཇེ་ཇཻ་ཇོ་ཇཽ་ཇཾ་ཇཿ
ཉ་ཉཱ་ཉི་ཉཱི་ཉུ་ཉཱུ་ཉྲུ་ཉཱྲུ་ཉླུ་ཉཱླུ་ཉེ་ཉཻ་ཉོ་ཉཽ་ཉཾ་ཉཿ
ཏ་ཏཱ་ཏི་ཏཱི་ཏུ་ཏཱུ་ཏྲུ་ཏཱྲུ་ཏླུ་ཏཱླུ་ཏེ་ཏཻ་ཏོ་ཏཽ་ཏཾ་ཏཿ
ཐ་ཐཱ་ཐི་ཐཱི་ཐུ་ཐཱུ་ཐྲུ་ཐཱྲུ་ཐླུ་ཐཱླུ་ཐེ་ཐཻ་ཐོ་ཐཽ་ཐཾ་ཐཿ
ད་དཱ་དི་དཱི་དུ་དཱུ་དྲུ་དཱྲུ་དླུ་དཱླུ་དེ་དཻ་དོ་དཽ་དཾ་དཿ
ན་དཱ་ནི་ནཱི་ནུ་ནཱུ་ནྲུ་ནཱྲུ་ནླུ་ནཱླུ་ནེ་ནཻ་ནོ་ནཽ་ནཾ་ནཿ
པ་པཱ་པི་པཱི་པུ་པཱུ་པྲུ་པཱྲུ་པླུ་པཱླུ་པེ་པཻ་པོ་པཽ་པཾ་པཿ
ཕ་ཕཱ་ཕི་ཕཱི་ཕུ་ཕཱུ་ཕྲུ་ཕཱྲུ་ཕླུ་ཕཱླུ་ཕེ་ཕཻ་ཕོ་ཕཽ་ཕཾ་ཕཿ
བ་བཱ་བི་བཱི་བུ་བཱུ་བྲུ་བཱྲུ་བླུ་བཱླུ་བེ་བཻ་བོ་བཽ་བཾ་བཿ
མ་མཱ་མི་མཱི་མུ་མཱུ་མྲུ་མཱྲུ་མླུ་མཱླུ་མེ་མཻ་མོ་མཽ་མཾ་མཿ
ཙ་ཙཱ་ཙི་ཙཱི་ཙུ་ཙཱུ་ཙྲུ་ཙཱྲུ་ཙླུ་ཙཱླུ་ཙེ་ཙཻ་ཙོ་ཙཽ་ཙཾ་ཙཿ
ཚ་ཚཱ་ཚི་ཚཱི་ཚུ་ཚཱུ་ཚྲུ་ཚཱྲུ་ཚླུ་ཚཱླུ་ཚེ་ཚཻ་ཚོ་ཚཽ་ཚཾ་ཚཿ
ཛ་ཛཱ་ཛི་ཛཱི་ཛུ་ཛཱུ་ཛྲུ་ཛཱྲུ་ཛླུ་ཛཱླུ་ཛེ་ཛཻ་ཛོ་ཛཽ་ཛཾ་ཛཿ
ཝ་ཝཱ་ཝི་ཝཱི་ཝུ་ཝཱུ་ཝྲུ་ཝཱྲུ་ཝླུ་ཝཱླུ་ཝེ་ཝཻ་ཝོ་ཝཽ་ཝཾ་ཝཿ
ཞ་ཞཱ་ཞི་ཞཱི་ཞུ་ཞཱུ་ཞྲུ་ཞཱྲུ་ཞླུ་ཞཱླུ་ཞེ་ཞཻ་ཞོ་ཞཽ་ཞཾ་ཞཿ
ཟ་ཟཱ་ཟི་ཟཱི་ཟུ་ཟཱུ་ཟྲུ་ཟཱྲུ་ཟླུ་ཟཱླུ་ཟེ་ཟཻ་ཟོ་ཟཽ་ཟཾ་ཟཿ
འ་འཱ་འི་འཱི་འུ་འཱུ་འྲུ་འཱྲུ་འླུ་འཱླུ་འེ་འཻ་འོ་འཽ་འཾ་འཿ
ཡ་ཡཱ་ཡི་ཡཱི་ཡུ་ཡཱུ་ཡྲུ་ཡཱྲུ་ཡླུ་ཡཱླུ་ཡེ་ཡཻ་ཡོ་ཡཽ་ཡཾ་ཡཿ
ར་རཱ་རི་རཱི་རུ་རཱུ་རྲུ་རཱྲུ་རླུ་རཱླུ་རེ་རཻ་རོ་རཽ་རཾ་རཿ
ལ་ལཱ་ལི་ལཱི་ལུ་ལཱུ་ལྲུ་ལཱྲུ་ལླུ་ལཱླུ་ལེ་ལཻ་ལོ་ལཽ་ལཾ་ལཿ
ཤ་ཤཱ་ཤི་ཤཱི་ཤུ་ཤཱུ་ཤྲུ་ཤཱྲུ་ཤླུ་ཤཱླུ་ཤེ་ཤཻ་ཤོ་ཤཽ་ཤཾ་ཤཿ
ས་སཱ་སི་སཱི་སུ་སཱུ་སྲུ་སཱྲུ་སླུ་སཱླུ་སེ་སཻ་སོ་སཽ་སཾ་སཿ
ཧ་ཧཱ་ཧི་ཧཱི་ཧུ་ཧཱུ་ཧྲུ་ཧཱྲུ་ཧླུ་ཧཱླུ་ཧེ་ཧཻ་ཧོ་ཧཽ་ཧཾ་ཧཿ
ཨ་ཨཱ་ཨི་ཨཱི་ཨུ་ཨཱུ་ཨྲུ་ཨཱྲུ་ཨླུ་ཨཱླུ་ཨེ་ཨཻ་ཨོ་ཨཽ་ཨཾ་ཨཿ

ཀ་ཀ་ཀ་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པ་ཡི་དམ་ལྷ་ཚོགས་ཀྱི་ཞབས་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པ་ཡི་དམ་ལྷ་ཚོགས་ཀྱི་ཞབས་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།།

ཨ། སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ཀུན་ཏུ་སྤྲུལ་པ་ཡི།

1569

P68

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། །

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
महाकालरूपिणे त्रिपुरान्तकाय त्रिशिरसे त्रिलोचनाय त्रिशूलिने त्रिदशपरिवृताय
त्रिदशेश्वराय त्रिदशगणनमस्कृताय त्रिदशगणपरिपूजिताय त्रिदशगणपरिवन्दिताय
त्रिदशगणपरिसेविताय त्रिदशगणपरिगीताय त्रिदशगणपरिस्तुताय त्रिदशगणपरिवृताय
त्रिदशगणपरिवेष्टिताय त्रिदशगणपरिवारिताय त्रिदशगणपरिरक्षिताय त्रिदशगणपरिपालिताय

॥ ॥ ॥

1993

॥ श्रीमन्नारायणाय नमः ॥ नमस्तेऽस्तु महाविष्णो नमस्ते पुरुषोत्तम ।
नमस्ते वासुदेवाय नमस्ते सर्वसाक्षिणे ॥ १ ॥ नमस्ते सर्वलोकेश
नमस्ते सर्वलोकेश नमस्ते सर्वलोकेश

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाप्रतिज्ञासत्त्वाय
महाप्रतिज्ञाधराय महाप्रतिज्ञाधरेश्वराय महाप्रतिज्ञाधरेश्वरपूजिताय
महाप्रतिज्ञाधरेश्वरपूजितपादाय महाप्रतिज्ञाधरेश्वरपूजितपादपद्माय
महाप्रतिज्ञाधरेश्वरपूजितपादपद्मसेविताय महाप्रतिज्ञाधरेश्वरपूजितपादपद्मसेवितशिरसे
महाप्रतिज्ञाधरेश्वरपूजितपादपद्मसेवितशिरसे नमः ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥

ण्यमानुलोमानुलोमाः । तान्यनुलोमानुलोमानुलोमानि । तानि
नवानुलोमानुलोमानि । इत्यनुलोमानुलोमानि ॥ ११ ॥ अनुलोमानुलोम
ँ्यानवानुलोमानुलोमानुलोमानुलोमानुलोमानुलोमानुलोमानुलोमानुलोम
ण

॥ ॥ ॥

ཀྱེ་ཨཱཏྨ་ཀུ་ལ་པུ་ཏྲ་ཀ་ཤྲུ་ཎུ། ཨཱཏྨ་ཀུ་ལ་ཀུ་ལ

ब्रह्मविद्या ।ऽसत्यमित्यूचे ब्रह्मवेदो ।ऽमवद्ब्रह्मविद्यया ब्रह्म
ब्रह्मविदः ।मस्तूत्तमस्य ।ब्रह्मविदाप्नोति ।ब्रह्मविद्यामृतम्
।।ब्रह्मविद्यां ब्रह्मविद्यामुपसेदुः ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां
।ब्रह्मविद्याऽऽत्मविद्या ।ब्रह्मविद्या ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां
।।ऽब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्म
ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्म
ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्मविद्यां ।ब्रह्म

203B

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
महाकालरूपिणे त्रिभुवनभयजनकाय त्रिभुवनसंहारकाय त्रिभुवनरक्षणकराय
त्रिभुवनविजयिने त्रिभुवनेश्वराय त्रिभुवनवशंकराय त्रिभुवनक्षोभणकराय
त्रिभुवनोच्चाटनकराय त्रिभुवनस्तंभनकराय त्रिभुवनमोहनकराय त्रिभुवनाकर्षणकराय
त्रिभुवनवशीकरणकराय त्रिभुवनाभिचारकराय त्रिभुवनसर्वकार्यसाधकाय
त्रिभुवनसर्वकार्यकराय त्रिभुवनसर्वकार्यप्रसाधकाय त्रिभुवनसर्वकार्यनिष्पादकाय
त्रिभुवनसर्वकार्यसिद्धिकराय त्रिभुवनसर्वकार्यसंपादकाय त्रिभुवनसर्वकार्यपरिपूरकाय
त्रिभुवनसर्वकार्यसमर्थाय त्रिभुवनसर्वकार्यसाधनाय त्रिभुवनसर्वकार्यसिद्धिकराय
त्रिभुवनसर्वकार्यसंपादकाय त्रिभुवनसर्वकार्यपरिपूरकाय त्रिभुवनसर्वकार्यसमर्थाय
त्रिभुवनसर्वकार्यसाधनाय त्रिभुवनसर्वकार्यसिद्धिकराय त्रिभुवनसर्वकार्यसंपादकाय
त्रिभुवनसर्वकार्यपरिपूरकाय त्रिभुवनसर्वकार्यसमर्थाय त्रिभुवनसर्वकार्यसाधनाय
त्रिभुवनसर्वकार्यसिद्धिकराय त्रिभुवनसर्वकार्यसंपादकाय त्रिभुवनसर्वकार्यपरिपूरकाय
त्रिभुवनसर्वकार्यसमर्थाय त्रिभुवनसर्वकार्यसाधनाय त्रिभुवनसर्वकार्यसिद्धिकराय

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ།

ཀུན་བཟང་། འཕགས་ཡུལ་དུ་ཡང་། ཁྱེད་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཡི་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་བསྟན་ཏོ། ཞེས་གསུངས་ཏེ།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་སྨོན་ལམ་ལས།

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐོབ་ཅིང་། ཐོས་པ་ཆེན་པོ་ཐོབ་ཅིང་ཐོས་པ་ཡོངས་སུ་འཛིན་པ་ཡིན་ནོ། །

ཀུ་ཏ་ལི་ཀ་ཀ་ཀ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ

ཀཀ

ཀཀ

ཀཀ

ཀཀ

ཀཱ ཨཱ ཨཱ ཨ

ཀཀ ཀ ཀཀ ཀཀ ཀ

213P.

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाप्रतिसंख्यानबलाधानाय महाप्रतिसंख्यानबलाधानाय महाप्रतिसंख्यानबलाधान

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཝཾ ཧོཿ

ཀྱི་ཡང་ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡང་ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡང་ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ན

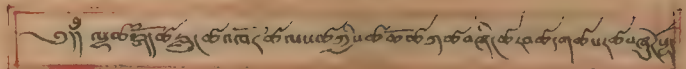

2203

ཀཱཡམ། ཨིཏི་ཨཱཏྨཱནཾ་ཨཱཏྨནི་ཨཱཏྨཱ་ཨཱཏྨནཱ་ཨཱཏྨནེ་ཨཱཏྨནཿ་ཨཱཏྨནི་ཨཱཏྨཱནཾ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་ཆོས་ཀྱི་རྣམ་གྲངས་ཀྱི

228B

230A

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་པ་ནི་ཐེངས་ཐེངས་ཞེས་པའ